भाकृअनुप–राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र
ICAR-National Research Centre on Litchi
मुशहरी, मुजफ्फरपुर-842002 (बिहार), भारत
Mushahari, Muzaffarpur-842002 (Bihar), India
An ISO 9001:2008 Certified Institute
Email : nrclitchi@yahoo.co.in, director.nrcl@icar.gov.in Website : www.nrclitchi.org

Date: 30.03.2020

बिहार के लीची बागवानों को सलाह

लीची बिहार की प्रमुख फल है। इस वर्ष लीची में अच्छी फलन की संभावना हैं। लीची की शाही किस्म में दाने लग गये हैं जबकि चाइना किस्म में अभी शुरू हो रहा है। तापमान अब बढ़ना शुरू हुआ है इस लिए बाग के उचित देख–रेख की आवश्यकता है जिसके लिए बिन्दुवार सलाह इस प्रकार है–

1. फसल उत्पादन के सुझाव

- ❖ खेत में नमी के संरक्षण के लिए यदि नमी की कमी है तो हल्की सिंचाई करके सूखी पत्तियों या घास–फूस की मल्च बिछाएं।
- ❖ शाही किस्म के पौधों पर प्लानोफिक्स 2 मि.ली. रसायन को 5 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। चाइना किस्म में यह छिड़काव 10–15 अप्रैल तक करें।
- ❖ प्रति पौधा के हिसाब से 300 ग्राम यूरिया एवं 200 ग्राम पोटाश का प्रयोग सिंचाई जल के साथ–साथ 15 अप्रैल तक अवश्य करें।

2. कीट एवं व्याधि नियंत्रण के लिए सुझाव

- ❖ फल बेधक कीट से बचाव के लिए थियाक्लोप्रिड 0.75 मिली लीटर या नोवाल्यूरॉन 1. 5 मिली लीटर 1 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इसके साथ स्टीकर (सैंडोविट 2–3 मि.ली./10 लीटर पानी) अवश्य मिलायें।
- ❖ फलों को फटने से बचाने के लिए बोरेक्स 4 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से मिलाकर पौधों पर 15 अप्रैल तक अवश्य कर दें।

सावधानियाँ

- ❖ रसायनों या दवाओं का छिड़काव उचित नमी की स्थिति में ही करें।
- ❖ तेज हवा चलते समय छिड़काव से बचें।

संपर्क सूत्र–

समय–समय पर सलाह के लिए भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुशहरी के वैज्ञानिकों से दूरभाष के माध्यम से जानकारी प्राप्त करते रहें।

डॉ0 एस. डी. पाण्डेय– 9835274642

डॉ0 विनोद कुमार – 9162601599

विशेष सलाह या जानकारी के लिए निदेशक से **9431813884** दूरभाष पर संपर्क कर सकते हैं।